चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-12-2025	04	3-5

मोरिंगा उत्पादन से किसानों को समृद्ध बनाने की पहल

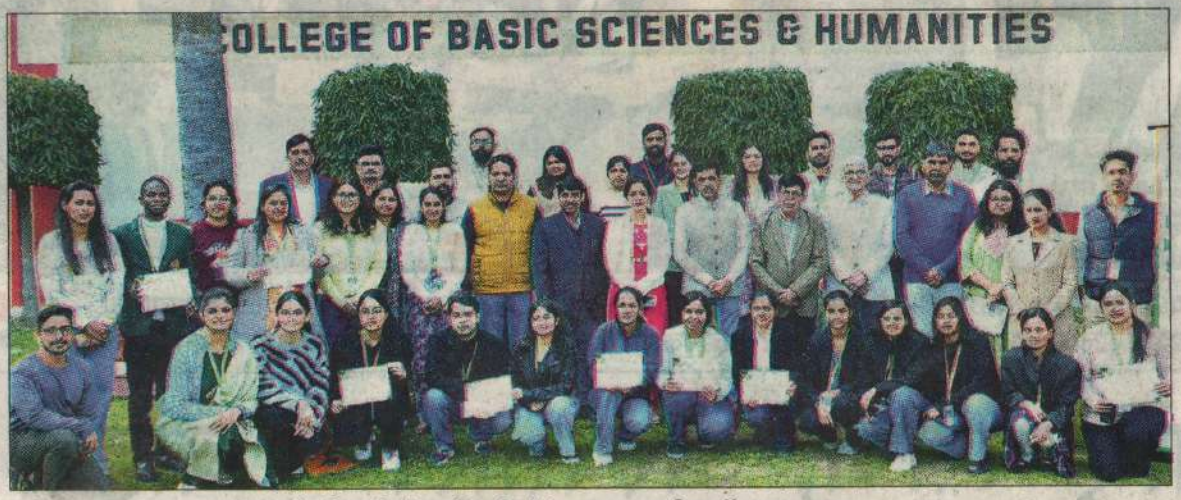

एचएयू में अधिकारियों व प्रतिभागियों के साथ कुलसचिव डॉ. पवन कुमार। स्रोत : संस्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

एचएयू में 14 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण का समापन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में स्पार्क के अंतर्गत 'मोरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभाव' विषय पर आयोजित 14 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने शोधार्थियों से कहा कि वे मोरिंगा की उन्नत किस्मों, रोग-कीट प्रबंधन और उत्पादन तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त कर किसानों को मार्गदर्शन दें, जिससे उनकी आय बढ़ सके। उन्होंने बताया कि मोरिंगा के पाउडर, तेल, बीज, पत्तियों के कैप्सूल और फूल-फलियां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध हैं।

कुलसचिव ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले शोधार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और सराहनीय कार्य करने वाले शोधार्थी कामाक्षी शर्मा, शेषनारायण, करण, रूचिका चौधरी और अनुराग कुंडू को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने मोरिंगा के महत्व पर प्रकाश डाला। जैव रसायन विभाग की प्रमुख डॉ. जयंती टोक्स ने बताया कि कार्यशाला में तकनीकी और प्रायोगिक सत्र आयोजित किए गए।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों में न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी से डॉ. पैनी बैक और डॉ. केरेग मैकगिल, आईआईटी खड़गपुर से डॉ. रबीब्रत मुखर्जी, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटीश कोलम्बिया, कनाडा से डॉ. देवकीनंदन और डॉ. अक्षय भुक्कर ने मोरिंगा और बीज गुणवत्ता, पोषण, मेडिकल एप्लिकेशन और आधुनिक बीज परीक्षण तकनीकों पर व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का संचालन छात्रा प्रीति ने किया। कार्यशाला में सात राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9-12-25	03	2-4

समापन • अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में बोले कुलसचिव

मोरिंगा के पाउडर, तेल और बीज की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मांग

अंतरराष्ट्रीय गोष्ठी के समापन पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार अधिकारियों, प्रतिभागियों के साथ।

भास्कर न्यूज | हिसार

मोरिंगा के पाउडर, तेल और बीज की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मांग है। इसकी पत्तियों का पाउडर, कैप्सूल, तेल, पशु आहार तथा फूल-फलियां बाजार में बिकती हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कही। वह स्पार्क के अंतर्गत मोरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभावों की समझ विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

डॉ. पवन कुमार ने शोधार्थियों से कहा कि वे मोरिंगा की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें। प्रशिक्षण के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले शोधार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिनमें कामाक्षी शर्मा, शेषनारायण, करण, रूचिका चौधरी व अनुराग कुंडू शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9-12-25	04	3-6

शोधार्थी मोरिंगा की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें : डा. पवन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्पार्क के अंतर्गत मोरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीआक्सीडेंट और टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभावों की समझ विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. पवन कुमार बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

डा. पवन कुमार ने शोधार्थियों से कहा कि वे मोरिंगा की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें। मोरिंगा की उन्नत किस्मों, रोग कीट प्रबंधन तथा उत्पादन तकनीक के बारे में वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त करके किसानों को बताएं जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने बताया कि मोरिंगा के पाउडर, तेल और बीज की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मांग है। इसकी पत्तियों का पाउडर, कैप्सूल, तेल, पशु आहार तथा फूल-फलियां बाजार में बिकती हैं। मोरिंगा खाद्य, औषधि, पोषण और कृषि क्षेत्र के लिए लाभकारी पौधा है। मोरिंगा का पौधा बालों और त्वचा के लिए लाभकारी होता है। कुलसचिव ने कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले शोधार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिनमें कामाक्षी शर्मा, शेषनारायण, करण, रूचिका चौधरी व अनुराग कुंडू शामिल हैं।

कुलसचिव डा. पवन कुमार प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए • विज्ञप्ति

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने कार्यशाला में मोरिंगा की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। जैव रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. जयंती टोक्स ने बताया कि कार्यशाला के दौरान विभिन्न टैक्निकल व प्रैक्टिकल सत्र आयोजित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9-12-25	06	1-3

हकृवि में 14 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण का समापन

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए।

हिसार, 8 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्पार्क के अंतर्गत 'मोरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभावों की समझ' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला वं प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभाकक्ष मे आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। डॉ. पवन कुमार ने शोधार्थियों से कहा कि वे मोरिंगा की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें। मोरिंगा की उन्नत किस्मों, रोग कीट प्रबंधन तथा उत्पादन तकनीक के बारे में वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त करके किसानों को बताएं जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने बताया कि मोरिंगा के पाउडर, तेल और बीज की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मांग है। इसकी पत्तियों का पाउडर, कैप्सूल, तेल, पशु आहार तथा फूल-फलियां बाजार में बिकती हैं। मोरिंगा खाद्य, औषधि, पोषण और कृषि क्षेत्र के लिए लाभकारी पौधा है। मोरिंगा का पौधा बालों और त्वचा के लिए लाभकारी होता है। कुलसचिव ने कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले शोधार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिनमें कामाक्षी शर्मा, शेषनारायण, करण, रूचिका चौधरी व अनुराग कुंडू शामिल हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कार्यशाला में सभी का स्वागत करते हुए मोरिंगा की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। जैव रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ जयंती टोंक्स ने बताया कि कार्यशाला के दौरान विभिन्न टैक्नीकल व प्रैक्टीकल सत्र आयोजित किए गए जिसमें शोधार्थियों को वैज्ञानिकों द्वारा उपरोक्त विषय से संबंधित तमाम जानकारियां दी गई। न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी से डॉ. पैनी बैक ने टेनिन इन एनिमल फीड: बेनीफिटस चैलेंजेज़ एंड द रोल ऑफ मोरिंगा के विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-12-25	04	7-8

हकृवि में हुआ 14 दिवसीय कार्यशाला व प्रशिक्षण का समापन

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के साथ।

हिसार, 8 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्पार्क के अंतर्गत 'मोरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभावों की समझ' विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभाकक्ष मे आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। डॉ. पवन कुमार ने शोधार्थियों से कहा कि वे मोरिंगा की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें। प्रशिक्षण के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले शोधार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिनमें कामाक्षी शर्मा, शेषनारायण, करण, रूचिका चौधरी व अनुराग कुंडू शामिल हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कार्यशाला में सभी का स्वागत करते हुए मोरिंगा की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। मंच का संचालन छात्रा प्रीति ने किया। कार्यशाला में सात राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9-12-25	09	01

हकृवि में कार्यशाला और प्रशिक्षण का समापन

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्पार्क के अंतर्गत 'मोरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभावों की समझ' विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभाकक्ष मे आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलसचिव ने कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले शोधार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिनमें कामाक्षी शर्मा, शेषनारायण, करण, रूचिका चौधरी आदि मौजूद रहे। आदि व अनुराग कुंडू शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे	08.12.2025	--	--

हकृवि में 14 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण का समापन

तविश महता/हिसार टुडे
हिसार, 8 दिसंबर 2025

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्पार्क के अंतर्गत 'मोरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभावों की समझ' विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभाकक्ष मे आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। डॉ. पवन कुमार ने शोधार्थियों से कहा कि वे मोरिंगा की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें। मोरिंगा की उन्नत किस्मों, रोग कीट प्रबंधन तथा उत्पादन तकनीक के बारे में वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त करके किसानों को बताएं जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने बताया कि मोरिंगा के पाउडर, तेल और बीज की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मांग है। इसकी पत्तियों का पाउडर, कैप्सूल, तेल, पशु आहार तथा फूल-फलियां बाजार में बिकती हैं। मोरिंगा खाद्य, औषधि, पोषण और कृषि क्षेत्र के लिए लाभकारी पौधा है। मोरिंगा का पौधा बालों और त्वचा के लिए लाभकारी होता है। कुलसचिव ने कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले शोधार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिनमें कामाक्षी शर्मा, शेषनारायण, करण, रूचिका चौधरी व अनुराग कुंडू शामिल हैं।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कार्यशाला में सभी का स्वागत करते हुए मोरिंगा की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। जैव रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ जयंती टोक्स ने बताया कि कार्यशाला के दौरान विभिन्न टैक्नीकल व प्रैक्टीकल सत्र आयोजित किए गए जिसमें शोधार्थियों को वैज्ञानिकों द्वारा उपरोक्त विषय से संबंधित तमाम जानकारियां दी गई। न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी से डॉ. पैनी बैक ने टेनिन इन एनिमल फीडः बेनीफिटस चैलेंजेज एंड द रोल ऑफ मोरिंगा के विषय पर अपना व्याख्यान दिया। मैसी यूनिवर्सिटी से डॉ. केरेग मैकगिल ने क्रिटीकल रोल ऑफ सीड टेस्टिंग इन फूड एंड न्यूट्रीशनल सेक्योरिटी एंड इंट्रोडयूसिंग मोरिंगा ओलिफेरा इनटू न्यूजीलैंड फार्मिंग सिस्टमस पर अपने व्याख्यान दिए। आईआईटी खड़गपूर से डॉ. रवीव्रत मुखर्जी ने द फास्सिनेटिंग साइंस एट दी नैनोस्केल एंड इटस इफेक्टस ऑन थिन फिल्म पर अपने विचार रखे। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटीश कोलम्बिया, कनाडा से डॉ. देवकीनंदन ने मेजिकल ट्री ऑफ ट्रोपिक्स एंड सब ट्रोपिक्सः करन्ट इन साइट ऑन मोरिंगा ऐज ए फूड सप्लीमेंट/मेडिकल एपलिकेशन पर अपने विचार रखे। डॉ. अक्षय भुक्कर ने एडवांस जर्मीनेशन टेस्टींग फॉर सीड क्वालिटी एसश्योरेंस और मॉर्डन सीड विगर टेस्टिंग पर अपने विचार रखे।

मंच का संचालन छात्रा प्रीति ने किया। कार्यशाला में सात राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।